



IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Week-9 & 10 Compilation



DELHI

BANGALORE

5B, Pusa Road, Karol
Bagh, New Delhi -110005.
Landmark: Just 50m from
Karol Bagh Metro Station,
GATE No. 8 (Next to
Croma Store)
Ph:0114167500

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar
Service Road, Vijaynagar, Bangalore
560040. PH: 09035077800 /
7353277800

Q.1) झीलों की उत्पत्ति और गठन के संबंध में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें।

झील	उत्पत्ति / गठन
1. केटल झील (Kettle Lake)	हिमाच्छादन (Glaciation) द्वारा
2. काल्डेरा झील	विवर्तनिक गतिविधि द्वारा
3. गोखुर /आक्सबो झील	नदी विसर्पण (meandering) द्वारा
4. बीवर झील (Beaver lake)	जानवरों (Animals) द्वारा

उपरोक्त में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

- केवल 2
- केवल 2 और 3
- केवल 1, 3 और 4
- 1, 2, 3 और 4

Q.1) Solution (c)

Explanation:

- एक झील पानी से भरा एक क्षेत्र होता है, जो किसी नदी या अन्य आउटलेट से अलग, एक बेसिन में स्थानीयकृत होता है, जो किसी भी नदी या अन्य आउटलेट से अलग होता है, जो झील को पोषित या ड्रेन का कार्य करता है।
- झीलें भूमि पर होती हैं तथा ये महासागरों का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए, वे लैगून से भिन्न होती हैं, और तालाबों से बड़ी और गहरी भी होती हैं।
- वे विभिन्न कारकों और प्रक्रियाओं के कारण बनती हैं।

झील के प्रकार	उत्पत्ति या गठन
विवर्तनिक झीलें, भ्रंश घाटी/ रिफ्ट वैली झीलें	पृथ्वी की दोलन के कारण बनती हैं
सर्क झीलें (Cirque lakes), टार्न्स (Tarns), केटल झीलें (Kettle Lakes), रॉक हॉलो झील (Rock hollow lakes)	हिमाच्छादन गतिविधियों द्वारा गठित
क्रैटर झील या काल्डेरा झील, लावा अवरुद्ध झील	ज्वालामुखी गतिविधियों द्वारा निर्मित
कार्स्ट (Karst) झील, पवनीय खंडित झील (Wind deflated lakes)	अपरदन द्वारा निर्मित
गोखुर झील (नदी विसर्पण)	निक्षेपों (deposition) के कारण गठित
बीवर झील	जानवरों द्वारा गठित।

Q.2) पच्छिमा पवनें (Westerlies) उत्तरी गोलार्ध की तुलना में, दक्षिणी गोलार्ध में अधिक मजबूत और नियमित होती हैं। निम्नलिखित में से इसके पीछे क्या कारण है/ हैं?

- दक्षिणी गोलार्ध में अधिक महासागरीय धाराओं की उपस्थिति।
- दक्षिणी गोलार्ध में जल का अधिक विस्तार।
- उत्तरी गोलार्ध की तुलना में दक्षिणी गोलार्ध में अधिक तापमान।

सही विकल्प चुनें:

- केवल 2
- केवल 1 और 2
- केवल 1 और 3
- केवल 2 और 3

Q.2) Solution (a)

Explanation:

- उपोष्णकटिबंधीय उच्च दाब पेटी से उप ध्रुवीय निम्न दाब पेटी की ओर चलने वाली पवनों को पछुआ पवन (वेस्टरलीज़) कहा जाता है।
- पछुआ पवनों की दिशाएं व्यापारिक पवनों के विपरीत होती हैं तथा यही कारण है कि उन्हें विपरीत-व्यापारिक पवनों (antitrade winds) भी कहा जाता है।
- वे मध्य अक्षांशों में 30 और 60 डिग्री अक्षांश के बीच चलती हैं, तथा अश्व अक्षांशों में उच्च दाब वाले क्षेत्र से ध्रुवों की ओर जाती हैं।
- पछुआ पवनों की दिशा उत्तरी गोलार्ध में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व तथा दक्षिणी गोलार्ध में उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर होती हैं।
- पानी के विशाल विस्तार के कारण दक्षिणी गोलार्ध की पछुआ पवन मजबूत और नियमित होती हैं। उत्तरी गोलार्ध की तुलना में इसमें भूमि की संरचना अपेक्षाकृत कम है।
- पछुआ पवनों 40 ° और 65 ° S अक्षांशों के बीच सबसे अच्छी विकसित होती है। इन अक्षांशों को अक्सर नाविकों द्वारा गरजता चालीसा, प्रचंड पचासा, और चीखता साठा - जैसे खतरनाक शब्द से संदर्भित किया जाता है।

Q.3) 'हवांगटू' (Hwangtu) शब्द का क्या अर्थ है?

- मरुस्थल में बनने वाले शाद्वल (Oasis)।
- गोबी मरुस्थल से हवा में उड़ती धूल।
- वायु अपरदन के कारण मरुस्थलों में बनने वाली उथली झीलें।
- मरुस्थलों में निक्षेपकारी भू-आकृतियाँ।

Q.3) Solution (b)

Explanation:

- मरुस्थलीय सीमा से परे बारीक धूल को लोएस (loess) के रूप में पड़ोसी भूमि पर जमा किया जाता है। यह एक पीला, भुरभुरी सामग्री होती है और आमतौर पर बहुत उपजाऊ होती है। चीन में, गोबी मरुस्थल से ऐसी पीली रंग की हवा के साथ चलने वाली धूल को 'हवांगटू' (Hwangtu) कहा जाता है - जिसका अर्थ पीली धरती होता है।
- लोएस वास्तव में, महीन, दोमट, चूने में प्रचुर, बहुत सुसंगत और अत्यंत छिद्रपूर्ण होती है। यह पानी आसानी से अवशोषित करती है ताकि इसकी सतह हमेशा सूखी हो।
- मृदु लोएस की मोती परत के माध्यम से धाराओं द्वारा गहरी घाटियों को काट दिया जाता है तथा बैडलैंड स्थलाकृति (badland topography) विकसित हो सकती है। लोएस का सबसे व्यापक जमाव उत्तर-पश्चिम चीन में हवांग-हो बेसिन के लोएस पठार में पाया जाता है।

Q.4) "अंडों की टोकरी" (Basket of Eggs) स्थलाकृति, निम्नलिखित भू-आकृति कारकों में से, किसके द्वारा बनाई गई है?

- पवन
- हिमनद (Glaciers)
- नदी

d) सागरीय लहरें

Q.4) Solution (b)

Explanation:

- 'अंडों की टोकरी' स्थलाकृति शब्द का तात्पर्य ड्रमलिन (Drumlins) से है, जो हिमनदों द्वारा बनाई गई एक निक्षेपकारी भू-आकृति है।
- वे गोल टीलों (rounded hummocks) के रूप हैं, जो हिमनदों के जमाव से उत्पन्न होते हैं, जो एक उलटी नाव या चम्मच की तरह दिखते हैं।
- वे आकार में कुछ मीटर से लेकर 60-100 मीटर की ऊंचाई तक और कुछ सौ मीटर से लेकर एक-दो किलोमीटर लंबाई में भिन्न होते हैं। जब वे एक क्लस्टर में होते हैं तो वे अंडे की एक टोकरी की तरह दिखते हैं।
- ड्रमलिन की कॉलोनियां फिनलैंड, उत्तरी द्वीपों और विस्कॉन्सिन, अमेरिका में पाई जाती हैं।

Q.5) "ला नीना" (La Nina) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ला नीना वर्ष के दौरान, पूर्वी प्रशांत महासागर में पानी सामान्य से अधिक ठंडा होता है।
2. ला नीना पेरू और इक्वाडोर क्षेत्रों में भारी वर्षा लाती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.5) Solution (a)

Basic Information:

- एल नीनो और ला नीना विपरीत चरणों के जलवायु पैटर्न हैं, जो एक साथ एल नीनो दक्षिणी दोलन (ENSO) बनाते हैं।

Prelims 2020 Exclusive :Current Affairs Classes

Beat the Heat of Current Affairs Prelims 2020 in 12 Uber Cool Sessions by Tauseef Ahmad (One of the Founders of IASbaba)

MOST PROBABLE PRELIMS
CURRENT AFFAIRS TOPICS
FROM PAST 1.5 YEARS WILL
BE COVERED IN 12 SESSIONS



CRISP AND ORGANISED
NOTES/CONTENT TO MAKE
YOUR REVISION EASIER



Starts 15th April

एल नीनो:

- एल नीनो को स्पेनिश में "छोटा लड़का" या "क्राइस्ट चाइल्ड" के रूप में जाना जाता है।
- एल नीनो वर्ष के दौरान, पूर्वी प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म होता है। वायु दाब मध्य प्रशांत के बड़े क्षेत्रों और दक्षिण अमेरिका के तट पर निम्न होता है। पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में सामान्य निम्न दाब प्रणाली को एक कमजोर उच्च द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया जाता है। दाब पैटर्न में इस बदलाव के कारण व्यापारिक पवनें हल्की हो जाती हैं। यह कमी भूमध्यरेखीय प्रतिधारा (डोलड्रम के साथ धारा) पेरू और इक्वाडोर के तट पर गर्म समुद्र के पानी को जमा करने की अनुमति

देती है। पेरु के तटों पर अपवेलिंग होने से ऑस्ट्रेलिया और भारत में कम वर्षा के साथ पेरु और इक्वाडोर क्षेत्रों में भारी मात्रा में वर्षा होती है।

ला नीना:

- ला नीना का अर्थ स्पैनिश में 'छोटी लड़की' होता है और इसे एल वीजो (El Viejo) या 'ठंडी धारा' के रूप में भी जाना जाता है।
- ला नीना चरण के दौरान, पूर्वी प्रशांत में पानी का तापमान सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत पर एक मजबूत उच्च दाब होता है।
- पेरु और इक्वाडोर में ला नीना सूखे का कारण बनता है, ऑस्ट्रेलिया में भारी बाढ़ और भारत में अच्छी मॉनसूनी वर्षा होती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
ला नीना वर्ष के दौरान, पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में समुद्र का पानी सामान्य से अधिक ठंडा होता है।	ला नीना पेरु और इक्वाडोर क्षेत्रों में सूखे की स्थिति लाता है। यह ऑस्ट्रेलिया में भारी वर्षा और भारत में अच्छी मानसूनी वर्षा लाता है।

Q.6) ताजे जल के निम्नलिखित स्रोतों को, इनके प्रतिशत वितरण के आरोही क्रम (ascending orders) में व्यवस्थित करें।

1. हिमच्छत्रक और हिमनद (Icecaps and Glaciers)
2. नदियां
3. भू-जल (Groundwater)
4. झील

सही विकल्प चुनें:

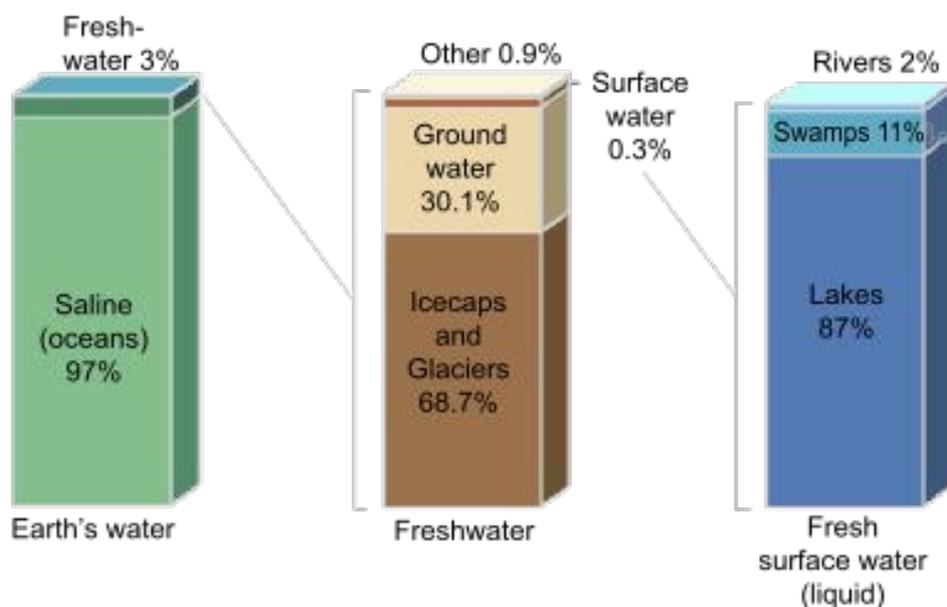
- a) 1-3-4-2
- b) 1-2-3-4
- c) 2-4-3-1
- d) 2-4-1-3

Q.6) Solution (c)

Explanation:

- पृथ्वी की सतह पर जलीय वितरण अत्यधिक असमान है। सतह पर केवल 3 प्रतिशत पानी ताजे जल के रूप में है। शेष 97 प्रतिशत महासागर में पाया जाता है।
- ताजे जल में, 69 प्रतिशत हिमनदों/ ग्लैशियरों के रूप में हैं, 30 प्रतिशत भूमिगत और 1 प्रतिशत से कम झीलों, नदियों और दलदल में मिलते हैं।

Distribution of Earth's Water

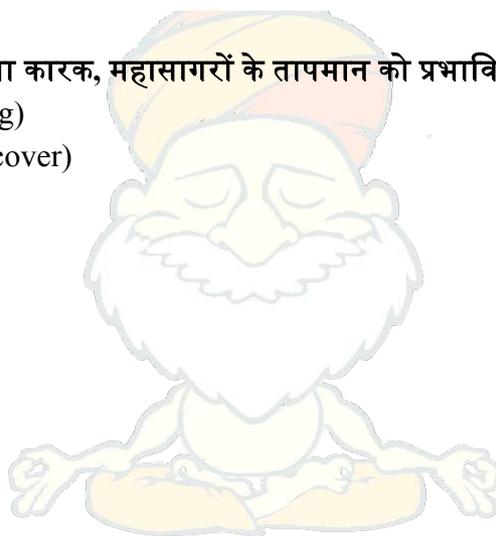


Q.7) निम्नलिखित में से कौन सा कारक, महासागरों के तापमान को प्रभावित करता है?

1. अपवेलिंग (Upwelling)
2. मेघ आवरण (Cloud cover)
3. ऐल्बिडो (albedo)
4. लवणता

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 1, 2 और 3
- d) 1, 2, 3 और 4



Q.7) Solution (d)

Explanation:

समुद्री क्षेत्रों के तापमान को प्रभावित करने वाले कारक:

- **आतपन (Insolation) और ऐल्बिडो (आतपन का वापस परावर्तित अनुपात):** आतपन भूमध्य रेखा पर सबसे अधिक होता है और ध्रुव की ओर बढ़ते हुए यह घटता जाता है। चूंकि सूर्य ऊर्जा का मूल स्रोत है, तापमान प्रोफाइल भी उसी पैटर्न का अनुसरण करती है।
- **मेघ आवरण:** मेघ आवरण प्रत्यक्षतः आतपन को बाधित करता है। एक निश्चित समय में पृथ्वी 50 प्रतिशत बादलों से ढकी रहती है। जैसे कि भूमध्य रेखा बादलों से ढकी होती है, उष्ण कटिबंधों (tropics) पर तापमान भूमध्य रेखा से अधिक होता है।
- **लवणता:** लवणता पानी के क्वथनांक को बढ़ाती है, इस प्रकार वाष्पीकरण कम हो जाता है। अतः उच्च लवणता के साथ तापमान अधिक होता है।
- **बंद समुद्र (Enclosed seas),** खुले समुद्र की तुलना में अधिक तापमान रिकॉर्ड करते हैं जहां गर्म और ठंडे पानी का अंतर-मिश्रण होता है।
- **भूमि के साथ संपर्क:** उत्तरी गोलार्ध में महासागर, दक्षिणी गोलार्ध में भूमि की सतह की तुलना में अधिक संपर्क के कारण गर्म होते हैं।

- **महासागरीय धाराएँ:** यह महासागर में तापमान वितरण का एक तंत्र है। जहाँ गर्म धाराएँ भूमध्य रेखा से ध्रुव और इसके विपरीत गर्म पानी ले जाती हैं। पेरू धारा और लैब्राडोर धारा जैसे क्षेत्र में शीत धाराओं का शीतलन प्रभाव होता है।
- **अपवेलिंग (Upwelling):** समुद्र के पानी की सतह के पूर्वी हिस्से में समुद्र की गहराई से सतह पर पानी आता है। यह पानी बहुत ठंडा होता है और सतह पर इसका शीतलन प्रभाव होता है।

Q.8) उष्णकटिबंधीय जलवायु में, निम्नलिखित में से कौन से/ सी वनस्पतियों के अनुकूलन हैं?

1. गहरी जड़ें
2. बड़ी गहरी हरी पत्तियां
3. मोटी छाल (Thick Bark)
4. मोमी उपत्वचा (Waxy cuticle)

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 4
- c) केवल 1 और 3
- d) 1, 2, 3 और 4

Q.8) Solution (b)

Explanation:

किसी क्षेत्र की वनस्पति जलवायु की स्थिति का कुल योग दर्शाती है, नीचे दिए गए चित्रण से वनस्पति की अनुकूलन क्षमता का पता चलता है।

उष्णकटिबंधीय जलवायु का अनुकूलन:

- सूर्य प्रकाश को अवशोषित करने के लिए बड़े गहरे हरे रंग के पत्ते (= बहुत सारे क्लोरोफिल), विशेष रूप से बहुत बड़ी छाया के साथ
- पत्ती व्यवस्था प्रकाश पर अवशोषण को अधिकतम करती है
- वर्ष को बहाने के लिए चिकनी मोमी उपत्वचा (Waxy cuticle)
- उथली जड़ें (नाइट्रोजन या पानी के लिए गहराई तक जाने की आवश्यकता नहीं) और बट्रेस या स्टिल्ट जड़ें (buttress or stilt roots) (स्थिरता में सहायता करने के लिए)।
- निरंतर विकास (पेड़ों में कोई वार्षिक रिंग नहीं होती है); पेड़ अत्यधिक ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं।

मरुस्थलीय जलवायु का अनुकूलन:

- पानी की कमी को कम करने के लिए छोटे पत्ते या बिल्कुल नहीं
- तने (trunk) द्वारा अक्सर प्रकाश संश्लेषण
- पत्तों को अक्सर मुख्य भाग में संशोधित किया जाता है, जो रक्षा में सहायता करते हैं लेकिन अतिरिक्त प्रकाश को भी प्रतिबिंबित कर सकते हैं।
- अत्यधिक प्रकाश को प्रतिबिंबित करने के लिए अत्यधिक परावर्तक उपत्वचा (cuticle)।
- रसदार (Succulence)- विशेष ऊतकों (मांसल पत्तियों, तनों, भूमिगत आदि) में पानी के भंडारण की व्यापक और गहरी जड़ प्रणाली।

समशीतोष्ण जलवायु का अनुकूलन:

- वार्षिक जीवन चक्र
- पर्णपाती जब बारहमासी होते हैं
- यदि पर्णपाती नहीं होती है, तो पत्तियां सर्दियों में जीवित रहने के लिए मोटी उपत्वचा (thick cuticles) द्वारा संरक्षित सुई के आकर की होती है।
- ठंड मौसम से बचाव के लिए मोटी छाल।

Q.9) निम्न में से कौन सी खाई/ ट्रेंच (trenches), अटलांटिक महासागर में पाई जाती है?

1. टोंगा ट्रेंच
2. प्यूर्टो-रिको ट्रेंच
3. कुरील ट्रेंच।
4. रोमान्च ट्रेंच (Romanche Trench)

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 3
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 2 और 4
- d) केवल 3 और 4

Q.9) Solution (c)

Basic Information:

सागर	खाई/ ट्रेंच का नाम
प्रशांत महासागर	मारियाना ट्रेंच, टोंगा ट्रेंच, कुरील ट्रेंच, करमादेक ट्रेंच, फिलिपाइन ट्रेंच, जापान ट्रेंच, पेरू-चिली ट्रेंच
अटलांटिक महासागर	प्यूर्टो-रिको ट्रेंच, साउथ सैंडविच ट्रेंच, केमैन ट्रेंच, रोमान्च ट्रेंच, नॉर्वेजियन ट्रेंच।
हिंद महासागर	सुंडा ट्रेंच, डायमेशिया ट्रेंच, सुमात्रा ट्रेंच।

Q.10) निम्नलिखित झीलों को उनकी लवणता के संबंध में, अवरोही क्रम (descending order) में व्यवस्थित करें।

1. कैस्पियन सागर
2. लाल सागर
3. मृत सागर
4. वैन झील

सही विकल्प चुनें:

- a) 1-2-3-4
- b) 1-2-4-3
- c) 3-4-1-2
- d) 4-3-1-2

Q.10) Solution (d)

Basic Information:

जल निकाय	लवणता (पीपीटी में)
बाल्टिक समुद्र	7
लाल सागर	39
कैस्पियन सागर	180
मृत सागर	250
वैन झील	330

Q.11) प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत पृथ्वी की क्रस्ट को कई प्रमुख और छोटी प्लेटों में विभाजित करता है। निम्नलिखित में से कौन सी, छोटी प्लेटों के रूप में वर्गीकृत की जाती हैं?

1. कोको प्लेट
2. ऑस्ट्रेलियाई प्लेट
3. नाज़का प्लेट
4. अरब प्लेट

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1,3 और 4
- b) केवल 1,2 और 3
- c) केवल 2,3 और 4
- d) 1, 2, 3 और 4



Q.11) Solution (a)

Explanation:

मुख्य प्लेटें (Major Plates)	छोटी प्लेटें (Minor Plates)
अंटार्कटिक प्लेट, उत्तर-अमेरिकी प्लेट, दक्षिण-अमेरिकी प्लेट, प्रशांत प्लेट, भारत-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट, अफ्रीकी प्लेट, यूरोशियन प्लेट।	कोको प्लेट, नाज़का प्लेट, अरब प्लेट, फ़िलिपाइन प्लेट, कैरोलीन प्लेट, फ़ूजी प्लेट।

Q.12) "टॉम्बोलो" (Tombolo) शब्द भू-आकृति विज्ञान में क्या संदर्भित करता है?

- a) तटीय निक्षेपकारी भू-आकृतियाँ।
- b) हिमनदों द्वारा निर्मित भू-आकृतियाँ।
- c) पवनों द्वारा निर्मित अपरदनात्मक भू-आकृतियाँ।
- d) पानी द्वारा निर्मित अपरदनात्मक भू-आकृतियाँ।

Q.12) Solution (a)

Explanation:

- जब मुख्य भूमि, एक पट्टी या spit के रूप में भूमि के एक संकीर्ण टुकड़े से एक द्वीप से जुड़ी होती है, जिसके परिणामस्वरूप भू-आकृति को एक टॉम्बोलो कहा जाता है।
- यह एक छोटा द्वीप प्रतीत होता है जो मुख्य भूमि से पूरी तरह से अलग नहीं हुआ होता है। यह द्वीप जैसी भू-आकृति वास्तव में एक पतली रेत पट्टी या स्पिट द्वारा तट से जुड़ी होती है।

- टॉम्बोलो को कभी-कभी "बंधे हुए द्वीप" के रूप में संदर्भित किया जाता है, क्योंकि वे तट से सटे हुए लगते हैं।

Q.13) भूकंप को मापने के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मरकेली स्केल भूकंप की तीव्रता को मापती है, जिसमें दृश्य क्षति को कवर करती है।
2. रिक्टर स्केल भूकंप के दौरान निकलने वाली ऊर्जा को मापती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.13) Solution (c)

Basic Information:

- भूकंप की घटनाओं को झटके के परिमाण या तीव्रता के अनुसार मापा जाता है।
- परिमाण (magnitude) पैमाने को रिक्टर स्केल के रूप में जाना जाता है। परिमाण भूकंप के दौरान जारी ऊर्जा से संबंधित होता है। परिमाण संख्याओं में व्यक्त किया जाता है, जैसे 0-10।
- तीव्रता (intensity) के पैमाने का नाम मरकेली के नाम पर रखा गया है। तीव्रता पैमाने पर घटना के कारण दिखाई देने वाली क्षति को ध्यान में रखा जाता है। तीव्रता पैमाने का परास 1-12 होता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
मरकेली स्केल भूकंप के देखे गए प्रभावों पर अपनी माप को आधार बनाता है और इसकी तीव्रता का वर्णन करता है। मरकेली पैमाने की गणना पृथ्वी की सतह पर भूकंप के प्रभाव के अवलोकन से निर्धारित की गई है। यह मनुष्यों, वस्तुओं और मानव निर्मित संरचनाओं पर प्रभाव पर भी आधारित होता है।	रिक्टर स्केल भूकंपीय तरंगों, या जारी ऊर्जा को मापता है, जिससे भूकंप आता है और भूकंप की भयावहता का वर्णन होता है। यह एक लघुगणक (logarithmic) होता है। रिक्टर के लिए logarithmic स्केल आधार 0 -10 है और तरंगों के आयाम (amplitude) पर आधारित है।

Q.14) निम्नलिखित जलवायु परिस्थितियों पर विचार करें:

1. सर्दियों के बिना पूरे वर्ष भर एक समान तापमान।
2. शाम की वर्षा।
3. संवहनीय वर्षा।

उपरोक्त वर्णित परिस्थितियों, विश्व के निम्नलिखित जलवायु क्षेत्रों में से किसका उल्लेख कर रही हैं?

- a) उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु
- b) गर्म आर्द्र भूमध्यरेखीय जलवायु
- c) भूमध्य सागरीय जलवायु
- d) सूडान तुल्य जलवायु।

Q.14) Solution (b)

Explanation:

- भूमध्यरेखीय गर्म, आर्द्र जलवायु भूमध्य रेखा के 5 - 10 डिग्री उत्तर और दक्षिण के बीच पाई जाती है।
- विषुवतीय जलवायु की सबसे उत्कृष्ट विशेषता वर्ष के दौरान तापमान की इसकी एकरूपता है जिसमें कोई सर्दियाँ नहीं होती हैं।
- औसत मासिक तापमान लगभग 26 - 28 डिग्री सेल्सियस होता है, जिसमें तापमान की छोटी वार्षिक सीमा 3 डिग्री सेंटीग्रेड तथा तापमान 12 - 15 डिग्री सेंटीग्रेड की काफी अधिक दैनिक सीमा होती है।
- बादल और भारी वर्षा। एक वर्ष में 150 - 250 सेमी या अधिक वर्षा।
- वर्षा के बिना कोई महीना नहीं होता।
- अधिकांश वर्षा संवहनीय होती है, जिसमें गरज-चमक के साथ अक्सर मूसलाधार वर्षा होती है।
- शाम की वर्षा आम होती है।

Q.15) वायुमंडल में निम्नलिखित गैसों को उनकी मात्रा के प्रतिशत के अनुसार आरोही क्रम (ascending order) में व्यवस्थित करें।

1. कार्बन डाइऑक्साइड
2. आर्गन
3. हाइड्रोजन
4. ऑक्सीजन
5. नाइट्रोजन

सही विकल्प चुनें:

- a) 4-5-3-2-1
- b) 4-3-5-2-1
- c) 3-1-2-4-5
- d) 1-3-2-4-5



Q.15) Solution (c)

Explanation:

वायुमंडल में विभिन्न गैसों का मात्रा के अनुसार प्रतिशत-

1. नाइट्रोजन - 78%
2. ऑक्सीजन- 20%
3. आर्गन 0.93%
4. कार्बन-डाइऑक्साइड - 0.03%
5. नियोन - 0.0018%
6. हीलियम - 0.0005%
7. ओजोन - 0.00006%
8. हाइड्रोजन - 0.00005%
9. क्रीटान, जीनान, मीथेन - बहुत हल्की मात्रा में।

Q.16) निम्नलिखित में से कौन से पृथ्वी के आंतरिक भाग के बारे में जानकारी प्राप्त करने के अप्रत्यक्ष स्रोत हैं?

1. भूकंपीय गतिविधि
2. चुंबकीय क्षेत्र
3. ज्वालामुखी विस्फोट।

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 3
- b) केवल 1 और 3
- c) केवल 1 और 2
- d) 1, 2 और 3

Q.16) Solution (c)

Explanation:

पृथ्वी के आंतरिक भाग के बारे में प्रत्यक्ष स्रोतों और अप्रत्यक्ष स्रोतों से ज्ञान प्राप्त होता है।

सूचना के प्रत्यक्ष स्रोत	गहरी ड्रिलिंग परियोजनाएं, ज्वालामुखी विस्फोट
सूचना के अप्रत्यक्ष स्रोत	गुरुत्वाकर्षण, चुंबकीय क्षेत्र, भूकंपीय गतिविधि, उल्का, तापमान तथा पृथ्वी के भीतर दाब भिन्नताओं का विश्लेषण।

Q.17) निम्नलिखित में से कौन, वर्तमान दिन के वातावरण (present day atmosphere) के गठन या संशोधन से संबंधित है?

1. विगैसीकरण (degassing)
2. सौर पवनें
3. पृथ्वी के आंतरिक भाग में सामग्री का अंतर
4. प्रकाश संश्लेषण

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 4
- b) केवल 1 और 4
- c) केवल 1, 3 और 4
- d) केवल 1, 2 और 4

ONE STOP DESTINATION FOR ALL YOUR CURRENT AFFAIRS NEEDS

UPDATED ON A DAILY BASIS

PRECISE AND CRISP CURRENT AFFAIRS NOTES

NO NEED TO MAKE NOTES FOR CURRENT AFFAIRS

ONE OF ITS KIND COMPENDIUM OF CURRENT AFFAIRS

BABAPEDIA

SUBSCRIBE NOW

The most organized Platform for Current Affairs Preparation.

Highest Hit Ratio in Prelims (Current Affairs)

Highly Recommended by UPSC Toppers - Rank 4, 6, 9, 14, etc.

Q.17) Solution (d)

Explanation:

वर्तमान वातावरण कई कारकों का परिणाम है:

- सौर पवनों ने आरंभिक वातावरण में मौजूद हाइड्रोजन और हीलियम को हटाने में योगदान दिया।
- पृथ्वी के ठंडा होने के दौरान, गैसों और जल वाष्प को पृथ्वी के आंतरिक भाग से विगैसीकरण (degassing) की प्रक्रिया से छोड़ा गया।
- वायुमंडल की संरचना को प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से जीवित विश्व द्वारा संशोधित किया गया था।

Q.18) वायुमंडल में जल वाष्प के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. जल वाष्प ध्रुवों से भूमध्य रेखा की ओर बढ़ती जाती है।
2. ऊंचाई बढ़ने के साथ जल वाष्प कम होती जाती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.18) Solution (c)

Basic Information:

- वायुमंडल में मौजूद पानी के गैसीय रूप को जल वाष्प कहा जाता है। यह वायुमंडल में मौजूद सबसे अधिक चर गैसीय पदार्थों में से एक है।
- यह सभी प्रकार की वर्षा का स्रोत है।
- जल वाष्प की मात्रा 2 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक होती है। वायुमंडल में इसकी अधिकतम मात्रा 4% तक हो सकती है जो गर्म और आद्र क्षेत्रों में पाई जाती है।
- वाष्पीकरण और वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से जल वाष्प वायुमंडल में पहुँचता है।
- जल वाष्प सूर्य से आने वाली सौर विकिरण (आतपन) का हिस्सा अवशोषित करता है और पृथ्वी द्वारा विकिरणित ऊष्मा को संरक्षित करता है। यह इस प्रकार एक कंबल की तरह काम करता है जिससे पृथ्वी न तो अधिक ठंडी हो सकती है और न ही बहुत अधिक गर्म हो सकती है।
- जल वाष्प हवा में स्थिरता और अस्थिरता में भी योगदान देता है।
- ऊंचाई के साथ जल वाष्प की मात्रा कम होती जाती है।
- यह भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर घटती जाती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
जल वाष्प ध्रुव से भूमध्य रेखा की ओर बढ़ता जाता है, क्योंकि भूमध्य रेखा की ओर अधिक मात्रा में सौर विकिरण (आतपन) होता है।	जैसे-जैसे यह वायुमंडल में अधिक ऊंचाई पर जाता है, जल वाष्प की मात्रा कम होती जाती है।

Q.19) चक्रवात और प्रति-चक्रवात के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. चक्रवात के केंद्र पर उच्च दाब होता है, जबकि प्रति-चक्रवात के केंद्र पर निम्न दाब होता है।

2. उत्तरी गोलार्ध में चक्रवातों में पवनें वामावर्त (anti-clockwise) तथा प्रति-चक्रवात में दक्षिणावर्त (clockwise) चलती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.19) Solution (b)

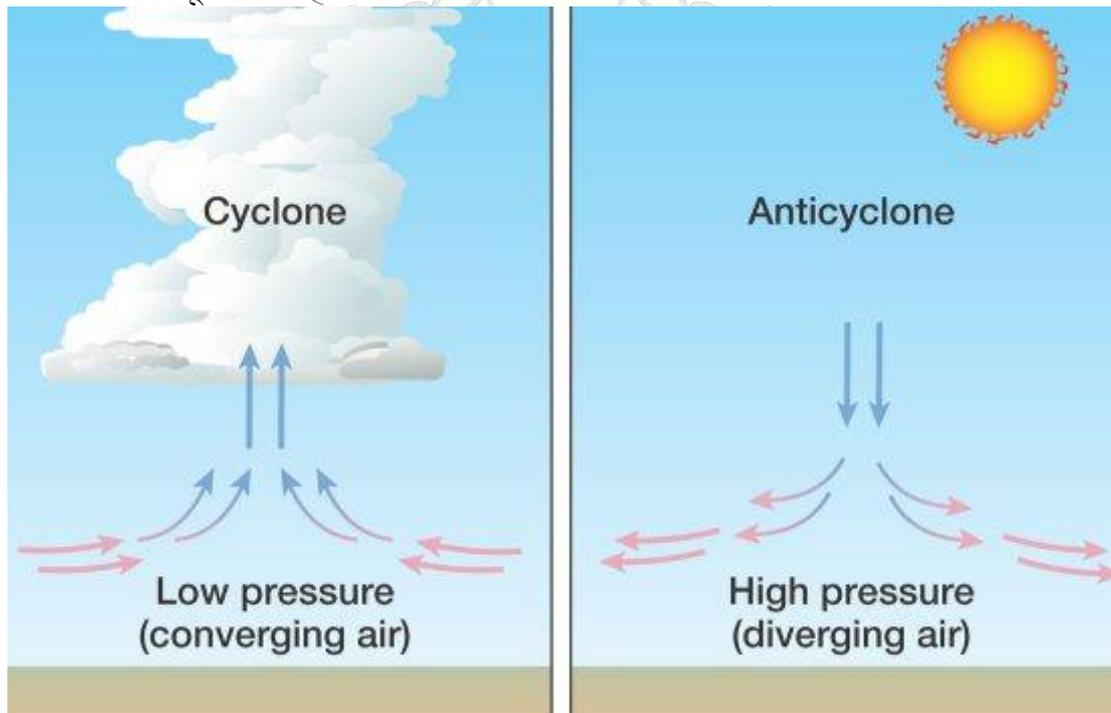
Basic Information:

चक्रवात:

- चक्रवात एक बड़े पैमाने पर वायु द्रव्यमान है, जो निम्न वायुमंडलीय दाब के एक मजबूत केंद्र के चारों ओर घूमता है।
- चक्रवात की विशेषता आने वाली सर्पिली हवाओं से होती है जो निम्न दाब के क्षेत्र में घूमती हैं।
- चक्रवात दो प्रकार के होते हैं। उष्णकटिबंधीय चक्रवात और समशीतोष्ण चक्रवात।
- चक्रवात उत्तरी गोलार्ध में वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त दिशा में कोरिओलिस प्रभाव के कारण चलते हैं।

प्रति-चक्रवात:

- एक प्रति-चक्रवात, चक्रवात के ठीक विपरीत होता है
- मूल रूप से यह उच्च वायुमंडलीय दाब के मध्य क्षेत्र के आसपास हवाओं का एक बड़े पैमाने पर परिसंचरण है
- उत्तरी गोलार्ध में दक्षिणावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में वामावर्त
- प्रति-चक्रवात साफ मौसम, स्वच्छ आकाश, ग्रीष्मकाल में उच्च तापमान के साथ शांत हवा और ठंडी सर्दियों की सूचना देते हैं



कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
चक्रवात और प्रति-चक्रवात के बीच मुख्य अंतर यह है कि चक्रवात निम्न दाब प्रणालियाँ हैं। इसमें पवन बाहर से केंद्र की ओर चलती हैं, यानी बाह्य उच्च दाब क्षेत्रों से अंदर निम्न दाब क्षेत्रों की ओर। जबकि प्रति-चक्रवात इसका विपरीत होता है।	कोरिओलिस बल के कारण चक्रवातों में उत्तरी गोलार्ध में हवाएँ वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त चलती हैं। जबकि प्रति-चक्रवात में हवाएँ उत्तरी गोलार्ध में दक्षिणावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में वामावर्त चलती हैं।

Q.20) भूकंपीय तरंगों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. पी-तरंगें संपीडित तरंगें हैं जबकि एस-तरंगें अनुदैर्घ्य तरंगें हैं।
2. एस-तरंगें अधिक तेज होती हैं तथा ठोस, तरल और गैसीय माध्यम से यात्रा करती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.20) Solution (d)

Basic Information:

भूकंपीय तरंगें:

- भूकंपीय तरंगें ऊर्जा की तरंगें हैं जो पृथ्वी की परतों से होकर गुजरती हैं।
- वे भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट, मैग्मा संचलन, बड़े भूस्खलन और बड़े मानव निर्मित विस्फोटों का परिणाम होती हैं, जो निम्न आवृत्ति वाली ध्वनिक ऊर्जा देती हैं।
- भूकंपीय तरंगें दो प्रकार की होती हैं:
 1. भौतिक तरंगें (Body waves)
 2. सतही तरंगें (Surface waves)

भौतिक तरंगें और सतही तरंगें:

- भौतिक तरंगें, वे तरंगें हैं जो पृथ्वी की परतों के माध्यम से यात्रा कर सकती हैं तथा सतही तरंगें पृथ्वी की सतह पर यात्रा करती हैं।
- भौतिक तरंगों को P-तरंगों और S-तरंगों में बांटा गया है।
- पी तरंगें या प्राथमिक तरंगें, पृथ्वी की सतह तक पहुंचने वाली पहली लहरें होती हैं। वे एक अंदर और बाहर यात्रा करने वाली होती हैं, इसलिए, उन्हें संपीडित तरंगें कहा जाता है। ये सबसे तेज भूकंपीय तरंगें होती हैं तथा ठोस, तरल या गैसीय माध्यम से जा सकती हैं।
- एस तरंगें, या द्वितीयक तरंगें, भूकंप के दौरान आने वाली दूसरी तरंगें हैं। वे पी तरंगों की तुलना में बहुत धीमी होती हैं और केवल ठोस पदार्थों के माध्यम से यात्रा कर सकते हैं। वे माध्यम को उस दिशा में हिलाती हैं, जिस पर वे चलती हैं और इसलिए कहा जाता है।

- सतही लहरों को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है जैसे रेले तरंग (Rayleigh Waves), लव तरंग (Love waves), स्टोनली तरंग (Stoneley waves) आदि।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
पी-तरंगों को संपीडित तरंगें कहते हैं जबकि एस-तरंगों को अनुप्रस्थ तरंगें कहा जाता है।	P- तरंगें तीव्र होती हैं तथा ठोस, तरल और गैसीय माध्यम से यात्रा करती हैं।

Q.21) भारत के भूवैज्ञानिक इतिहास के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

- पन्ना और गोलकोंडा हीरे, विंध्य चट्टानी प्रणाली से संबंधित हैं।
- रेगुर मिट्टी कुडप्पा चट्टान प्रणाली से संबंधित है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.21) Solution (a)

Basic Information:

- भूवैज्ञानिक रूप से भारतीय चट्टानी प्रणाली को चार प्रमुख डिवीजनों में विभाजित किया जा सकता है।
- आर्कियन चट्टानी प्रणाली (लगभग 4000-1000 मिलियन वर्ष पहले)
- पुराण चट्टानी प्रणाली (1400-600 मिलियन वर्ष पूर्व)
- द्रविडियन चट्टानी प्रणाली (600-300 मिलियन वर्ष पहले)
- आर्यन चट्टानी प्रणाली (300 मिलियन साल पहले वर्तमान समय तक)
- आर्कियन प्रणाली सबसे प्राचीन है तथा उनमें दो समूह शामिल हैं 1. आर्कियन समूह ऑफ नीस एंड शिस्ट्स और 2. धारवाड़ प्रणाली।
- पुराण प्रणाली में दो प्रमुख समूह शामिल हैं 1. कुडप्पा प्रणाली और 2. विंध्य प्रणाली।
- द्रविड प्रणाली अधिकतर अतिरिक्त-प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में पाई जाती है और इनमें प्रचुर मात्रा में जीवाश्म होते हैं। कैम्ब्रियन, ऑर्डोविशियन, सिलुरियन, डेवोनियन और कार्बोनिफेरस काल की चट्टानें द्रविडियन प्रणाली में शामिल हैं।
- आर्यन चट्टानी प्रणाली सबसे नयी है तथा इसमें गोंडवाना चट्टानी प्रणाली, तृयासिक प्रणाली, जुरासिक प्रणाली, तृतीयक प्रणाली (Eocene, Oligocene, Miocene and Pleistocene) और काकेशियस प्रणाली शामिल हैं। प्रायद्वीपीय ब्लॉक का डेक्कन ट्रैप इसी अवधि के अंतर्गत आता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य

ऊपरी विंध्य स्तर में दो हीरे धारक वाले क्षितिज (diamond bearing horizons) हैं, जिनसे पन्ना और गोलकोंडा हीरे का खनन किया गया है।

बेसाल्ट दक्कन ट्रैप की मुख्य चट्टान है। इस चट्टान के अपक्षय ने रेगुर को जन्म दिया, जिसे काली कपास की मिट्टी के रूप में जाना जाता है।

Q.22) भारत के पूर्वी तटीय मैदानों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य सही है / हैं?

1. उनके पास पश्चिमी तटों की तुलना में अधिक प्राकृतिक बंदरगाह हैं।
2. उनके पास पश्चिमी तटों की तुलना में व्यापक और बड़े डेल्टा हैं।
3. वे उभरते हुए तटों (emergent coasts) के उदाहरण हैं।

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 2
- b) केवल 3
- c) केवल 2 और 3
- d) 1, 2 और 3

Q.22) Solution (c)

Explanation:

भारत में तटीय मैदान:

- भारतीय तटरेखा 7516.6 किमी लंबी है, जो अंडमान, निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह के साथ 6100 किमी मुख्य भूमि के तट को कवर करती है।
- भारत में तटीय मैदान पूर्वी और पश्चिमी तटीय मैदानों में विभाजित हैं।
- पश्चिमी तटीय मैदान अरब सागर के किनारे हैं जबकि पूर्वी तटीय मैदान बंगाल की खाड़ी के साथ स्थित हैं।
- बंगाल की खाड़ी और अरब सागर गोंडवानालैंड के विघटन के बाद क्रेटेशियस या आरंभिक तृतीयक काल के दौरान अस्तित्व में आए।

पूर्वी तटीय मैदान:

- उत्तर में पश्चिम बंगाल से लेकर दक्षिण में तमिलनाडु तक पूर्वी तटीय मैदान फैला हुआ है तथा आंध्र प्रदेश और ओडिशा से होकर गुजरता है।
- महानदी, कृष्णा, गोदावरी और कावेरी नदियों के डेल्टा पूर्वी तटीय मैदान में मौजूद हैं।
- पूर्वी तट को फिर से तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है:
 - उत्कल तट: चिलिका झील और कोलेरु झील के बीच का विस्तार।
 - आंध्र तट: कोल्लेरु झील और पुलिकट झील के बीच का विस्तार।
 - कोरोमंडल तट: कोरोमंडल तट तमिलनाडु में पुलिकट झील और कन्याकुमारी के बीच फैला हुआ है।
- पूर्वी तटीय मैदान उभरते प्रकार (emergent type) के हैं।
- बड़े डेल्टाओं की उपस्थिति के कारण इसमें प्राकृतिक बंदरगाह की संख्या कम है।

पश्चिमी तटीय मैदान:

- पश्चिमी तट पट्टी उत्तर में कैम्बे की खाड़ी (खंभात की खाड़ी) से केप कोमोरिन (कन्याकुमारी) तक फैली हुई है।

- इसमें निम्नलिखित में बांटा गया है
 - कोंकण तट,
 - कर्नाटक तट और
 - केरल तट
- पश्चिमी तटों में पूर्वी तट की तुलना में बहुत कम डेल्टा हैं। बल्कि, पश्चिमी तट में मौजूद ज्वारनदमुख, क्रीक और छोटी खाड़ी (coves) प्रमुख भू-भाग हैं।
- पश्चिमी तट का प्रमुख भाग जलमग्न प्रकार (submergent type) का है।
- उनके पास अधिक प्राकृतिक बंदरगाह हैं।

Q.23) निम्नलिखित पहाड़ियों / पर्वतमाला को दक्षिण से उत्तर की ओर व्यवस्थित करें।

1. शेरावाँय पहाड़ियाँ
2. नल्लामला पहाड़ियाँ
3. पालकोंडा श्रेणी
4. जावड़ी पहाड़ियाँ

सही क्रम का चयन करें?

- a) 1-4-3-2
- b) 1-4-2-3
- c) 2-3-1-4
- d) 3-2-1-4

Q.23) Solution (b)

Explanation:

सही क्रम (दक्षिण से उत्तर तक)

- शेरावाँय पहाड़ियाँ
- जावड़ी पहाड़ियाँ
- पालकोंडा श्रेणी
- नल्लामाला पहाड़ियाँ

नीचे मानचित्र देखें





Q.24) हिमालय अभी भी अपने युवा अवस्था में है और अभी भी बढ़ रहा है। निम्नलिखित में से कौन सा प्रमाण दर्शाता है कि हिमालय अभी भी बढ़ रहा है?

1. तिब्बती पठार में भी, शिवालिक पहाड़ियों के जीवाश्म रूप पाए जाते हैं
2. हिमालय में भूकंप की घटना
3. हिमालय के तराई क्षेत्रों में घाटी के किनारों पर पाए जाने वाले क्रमिक रूप से बढ़ते क्षेत्र (Terraces)

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 3
- b) केवल 1, और 2
- c) केवल 2 और 3
- d) 1, 2 और 3

Q.24) Solution (d)

Explanation:

हिमालय के उत्थान की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है और यह अभी भी प्रक्रिया में है। निम्नलिखित प्रमाणों से यह सिद्ध किया जा सकता है कि हिमालय अभी भी बढ़ रहा है।

- शिवालिक पहाड़ियों और तिब्बत पठार में पाए जाने वाले कुछ जीवाश्म प्रारूप दोनों क्षेत्रों में अतीत में समान जलवायु परिस्थितियों का संकेत दे रहे हैं। तिब्बती पठार तब से अपनी वर्तमान ऊँचाई तक बढ़ा है।
- भूकंपों का बार-बार आना यह दर्शाता है कि हिमालय ने अभी तक आइसोस्टैटिक संतुलन प्राप्त नहीं किया है और उनका अभी भी उठना जारी है।

- हिमालयी नदियों का युवा चरण
- घाटी के किनारों पर पाए जाने वाले क्रमिक रूप से बढ़ते क्षेत्र (Terraces), उत्थान के कारण घाटी क्षेत्र के पुनर्युवीकरण का सुझाव देती है।

Q.25) भारत में मरुस्थलों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही रूप से सुमेलित है / हैं?

शब्द	अर्थ
1. धीरन (Dhrian)	भूमि का उपजाऊ क्षेत्र
2. रोही (Rohi)	स्थानांतरित होते हुए रेत के टीले
3. बागर (Bagar)	अर्ध-शुष्क मैदान
4. थाली (Thali)	रेतीले मैदान

सही विकल्प चुनें:

- केवल 1 और 2
- केवल 3 और 4
- केवल 1, 2 और 4
- 1, 2, 3 और 4

Q.25) Solution (b)

Explanation:

भारत में मरुस्थल को थार मरुस्थल या महान भारतीय मरुस्थल कहा जाता है।

राजस्थान मरुस्थल की कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- इस क्षेत्र में कम वनस्पति आवरण के साथ एक शुष्क जलवायु है। सामान्य तौर पर, मरुस्थल का पूर्वी भाग चट्टानी है, जबकि इसके पश्चिमी भाग में स्थानांतरित होते हुए रेत के टीलों को स्थानीय रूप से 'धीरन' के रूप में जाना जाता है।
- बागर: यह मरुस्थली क्षेत्र के अर्ध-शुष्क मैदान को संदर्भित करता है जो अरावली के पश्चिम में है। बागर में रेत की एक पतली परत होती है। यह दक्षिण में लूनी द्वारा सींचा जाता है जबकि उत्तरी भाग में कई नमकीन झीलें हैं।
- राजस्थानी बागर क्षेत्र में कई छोटी मौसमी धारा-प्रवाह हैं जो अरावली से निकलती हैं। ये धाराएं रोही नामक कुछ उपजाऊ पैच में कृषि का समर्थन करती हैं।
- सबसे महत्वपूर्ण नदी 'लूनी' एक मौसमी धारा-प्रवाह है। लूनी के उत्तर में स्थित क्षेत्र को थाली या रेतीले मैदान के रूप में जाना जाता है।

Q.26) छोटानागपुर पठार में अपवाह तंत्र किस प्रकार के अपवाह तंत्र का एक उदाहरण है?

- जालीदार अपवाह तंत्र (Trellised drainage pattern)
- वृक्षाकार अपवाह तंत्र (Dendritic drainage pattern)
- अभिकेंद्रीय अपवाह तंत्र (Centripetal drainage pattern)
- अरीय अपवाह तंत्र (Radial drainage pattern)

Q.26) Solution (d)

Explanation:

छोटानागपुर पठार में ऊंचाई के विभिन्न स्तरों पर खड़े पठारों की एक श्रृंखला है। लगभग 1100 मीटर की सबसे अधिक ऊंचाई मध्य-पश्चिमी भाग में है, जिसे पैटलैंड्स (Patlands)- उच्च स्तरीय लेटराइट पठार के नाम से जाना जाता है। यहां से, भूमि सभी दिशाओं में सीढियों की श्रृंखला में उतरती है, जो नदियों में झरने

द्वारा चिह्नित होती हैं। पठार को कई नदियों और विभिन्न दिशाओं में प्रवाहित किया जाता है और एक अरीय अपवाह तंत्र प्रस्तुत करता है।

Q.27) हरंगी, हेमावती और कबानी, भारत की निम्नलिखित नदियों में से किसकी सहायक नदियाँ हैं?

- गोदावरी
- महानदी
- कावेरी
- कृष्णा

Q.27) Solution (c)

Basic Information:

नदी का नाम	प्रमुख सहायक नदियाँ
गंगा	अलकनंदा, पिंडर, मंदाकिनी, धौलीगंगा, रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी।
यमुना	चंबल, केन, सिंध, बेतवा।
सिंधु	रावी, चिनाब, ब्यास, झेलम, सतलुज।
महानदी	इब, मंद, हसदो, श्योनाथ, ऑंग, जोंक, तेल
गोदावरी	मंजरा, पेनगंगा, वेनगंगा, वर्धा, इंद्रावती, सबरी
कृष्णा	कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी
कावेरी	हरंगी, हेमवती, शिखा, अर्कवती, लक्ष्मण तीर्थ, कबानी, अमरावती
नर्मदा	हिरन, बरना, कोलार, बरहर, बंजर, शर, तवा, कुंडी
तापी	पूर्णा, बैतूल, पाटकी, गंजल, दथारंज, बोकाड,

Q.28) राष्ट्रीय जलमार्ग 4, निम्नलिखित दो नदियों में से किस पर विकसित किया जा रहा है?

- कृष्णा और महानदी
- कृष्णा और गोदावरी
- महानदी और ब्राह्मणी
- कावेरी और गोदावरी

Q.28) Solution (b)

Basic Information:

जलमार्ग	पथ
राष्ट्रीय जलमार्ग 1	इलाहाबाद - हल्दिया गंगा सीमा
राष्ट्रीय जलमार्ग 2	सदिया डुबरी ब्रह्मपुत्र सीमा
राष्ट्रीय जलमार्ग 3	कोट्टापुरम-कोल्लम सीमा

राष्ट्रीय जलमार्ग 4	1. काकीनाडा-पुदुचेरी नहरों की सीमा और कालूवेल्ली टैंक। 'गोदावरी नदी की भद्राचलम-राजमुंदरी सीमा। 2. गाँव गलगली के पास पुल से-वज़ीराबाद-विजयवाड़ा, कृष्णा नदी।
राष्ट्रीय जलमार्ग 5	1. ब्राह्मणी नदी की तालचर-धामरा सीमा। 2. कोवन कैनाल की जियोंखाली-चारबतिया सीमा। 3. मतई नदी और महानदी डेल्टा नदियों की हरबतिया-धामरा सीमा

Q.29) 'नोरवेस्टर्स' को स्थानीय रूप से पूर्वी भारत में 'कालबैसाखी' के रूप में जाना जाता है, इसे असम में किस नाम से जाना जाता है?

- लू
- बारदोली छेरहा (Bardoli Chheerha)
- ह्वांगटू (Hwangtu)
- ब्लॉसन शॉवर (Blosson showers)

Dedicated HOTLINE (Communication channel) for all UPSC/IAS Aspirants

Speak With the Founders and Core Team of IASBABA on Telephone Regarding 'Any Queries' Related to UPSC Preparation in General or Subject-Specific Doubts.

2 HOURS DAILY (EXCEPT ON SUNDAYS) FROM 5PM TO 7 PM

- UPSC PREPARATION STRATEGY & CURRENT AFFAIRS – 9986190082
- ENVIRONMENT & SCIENCE AND TECHNOLOGY – 9986193016
- GEOGRAPHY & HISTORY – 9591106864
- POLITY & ECONOMICS – 9899291288

'ASK YOUR BABA' - Special feature to clear your doubts on the 60 Day Platform (Online from 10am - 10 pm)

WWW.IASBABA.COM

Q.29) Solution (b)

Basic Information:

ग्रीष्म ऋतु में भारत के प्रसिद्ध स्थानीय तूफान:

आम्र वर्षा (मैंगो शावर): ये मॉनसून-पूर्व की बौछारें हैं जो गर्मियों के अंत में होती हैं, जो केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में एक आम घटना है। स्थानीय रूप से, उन्हें आम्र वर्षा के रूप में जाना जाता है क्योंकि वे आम के जल्दी पकने में सहायता करती हैं।

ब्लॉसम शावर: इन्हें केरल के कुछ हिस्सों और आस-पास के इलाकों में कॉफी की बौछारों (coffee showers) के रूप में भी जाना जाता है।

नॉर्वेस्टर: ये बंगाल और असम में तूफानी शाम की आँधियाँ हैं। उनके कुख्यात स्वभाव को 'कालाबैसाखी' के स्थानीय नामकरण से समझा जा सकता है, जो बैसाख महीने की आपदा है। ये बौछारें चाय, जूट और चावल की खेती के लिए उपयोगी होती हैं। असम में, इन तूफानों को "बारडोली छेरहा" के रूप में जाना जाता है।

लू: पंजाब से बिहार तक दिल्ली और पटना के बीच उत्तरी मैदानी इलाकों में उच्च तीव्रता के साथ गर्म, शुष्क और दमनकारी हवाएँ।

Q.30) भारतीय जलवायु के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. देश में वर्षा मुख्य रूप से पर्वतीकृत (orographic) है।
2. भारतीय वर्षा सामान्यतः प्रकृति में मूसलाधार (torrential) होती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (c)

Basic Information:

भारत में मानसूनी वर्षा की मुख्य विशेषताएं हैं:

- दक्षिण पश्चिम मानसून चरित्र में मौसमी हैं, जिनमें से प्रमुख हिस्सा जून और सितंबर के बीच प्राप्त होता है।
- मानसूनी वर्षा बड़े पैमाने पर पर्वतीकृत है।
- समुद्र से बढ़ती दूरी के साथ वर्षा की मात्रा कम होती जाती है।
- वर्षा मूसलाधार रूप में होती है जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर अपवाह और मिट्टी का क्षरण होता है।
- वर्षा के वितरण में बड़े पैमाने पर स्थानिक भिन्नताएँ हैं। पश्चिमी राजस्थान में लगभग 12 सेमी से लेकर पश्चिमी तटीय मैदानों में 250 सेंटीमीटर से अधिक वार्षिक वर्षा होती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
<ul style="list-style-type: none"> • भारत में मानसूनी वर्षा बड़े पैमाने पर पर्वतीकृत है। • हिमालय, पश्चिमी घाट और अरावली भारत में वर्षा पैटर्न को नियंत्रित करने वाली प्रमुख पर्वतीय प्रणाली के रूप में कार्य करते हैं। • हिमालय हिंद महासागर से नमी से भरी मानसूनी हवाओं को बाधित करता है तथा पूर्वोत्तर राज्यों और सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान में वर्षा का कारण बनता है। 	<p>भारतीय वर्षा मूल रूप से प्रकृति में मूसलाधार होती है। क्योंकि वर्षा ऋतु के 3-4 महीनों में अधिकांश वर्षा प्राप्त होती है।</p>

- पश्चिमी घाटों की हवा की ओर का हिस्सा 250 सेंटीमीटर से अधिक वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है जबकि हवा के विपरीत के अधिकांश हिस्सों में 60 सेंटीमीटर से कम वार्षिक वर्षा होती है।

Q.31) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा तैयार मानव विकास सूचकांक (HDI) देशों के विकास की तुलना करने के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा है। एचडीआई निम्नलिखित कारकों में से किसका संयुक्त सूचकांक है?

1. जीवन प्रत्याशा
2. किसी देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)।
3. प्रति व्यक्ति आय
4. स्वास्थ्य
5. शिक्षा

सही विकल्प चुनें:

- a) 1 और 3
- b) 1, 2, 4 और 5
- c) 1, 3 और 5
- d) उपरोक्त सभी

Q.31) Solution (c)

Explanation:

- मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय संकेतकों का एक संयुक्त सूचकांक है, जो मानव विकास के चार स्तरों में देशों को रैंक करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- एक देश उच्च एचडीआई स्कोर करता है जब जीवनकाल अधिक होता है, शिक्षा का स्तर अधिक होता है, और प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है।
- यह पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक और भारतीय अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन द्वारा विकसित किया गया था तथा इसका उपयोग संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा देश के विकास को मापने के लिए किया जाता है।

Q.32) भारत में एक मृदा समूह के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. वे मुख्य रूप से पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट और राजमहल पहाड़ियों के शिखर पर पायी जाती हैं।
2. वे लीचिंग की प्रक्रिया से निर्मित होती हैं।
3. यह मृदा समूह, भवन निर्माण के लिए अच्छी कच्ची सामग्री है।

उपरोक्त विशेषताएं, भारत में निम्नलिखित मृदा समूहों में से किसका सबसे अच्छा वर्णन करती हैं।

- a) काली मिट्टी
- b) जलोढ मिट्टी
- c) लाल मिट्टी
- d) लेटराइट मिट्टी

Q.32) Solution (d)

Explanation:

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भारतीय मिट्टी को आठ प्रमुख प्रकारों में विभाजित किया है।

1. जलोढ़ मिट्टी
2. काली मिट्टी
3. लाल मिट्टी
4. लेटेराइट और लेटेरिटिक मिट्टी
5. वनीय और पर्वतीय मिट्टी
6. शुष्क और रेगिस्तानी मिट्टी
7. लवणीय और क्षारीय मिट्टी
8. पीटी और दलदली मिट्टी

भारत में लेटेराइट मिट्टी की विशेषताएं:

- लेटेराइट मिट्टी उच्च तापमान और भारी वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक आद्र और शुष्क अवधि के साथ बनती है।
- लेटेराइट मिट्टी लगभग 2.48 लाख वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करती है।
- गहन लीचिंग के कारण, लेटेराइट मिट्टी में आमतौर पर उपजाऊ क्षमता की कमी होती है।
- वे मुख्य रूप से पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट और राजमहल पहाड़ियों के शिखर पर पायी जाती हैं।
- लेटेराइट मिट्टी भवन निर्माण सामग्री में सबसे पसंदीदा होती है। इन मिट्टी को आसानी से कुदाल से काटा जा सकता है और ज्यादा मौसम से नहीं होती हैं। इसलिए, अनिश्चित काल तक टिकाऊ होती हैं।

Q.33) भारत में निम्नलिखित में से कौन से लघु औद्योगिक क्षेत्र (minor industrial regions) माने जाते हैं?

1. हुगली क्षेत्र
2. विशाखापत्तनम गुंटूर क्षेत्र
3. जयपुर-अजमेर क्षेत्र
4. इलाहाबाद-वाराणसी-मिर्जापुर क्षेत्र
5. कोल्लम-तिरुवनंतपुरम क्षेत्र

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 4
- b) केवल 3 और 4
- c) केवल 1, 2 और 5
- d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.33) Solution (b)

Explanation:

भारत में प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र:

मुंबई-पुणे औद्योगिक क्षेत्र, हुगली औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलुरु-तमिलनाडु औद्योगिक क्षेत्र, गुजरात औद्योगिक क्षेत्र, छोटानागपुर औद्योगिक क्षेत्र, विशाखापत्तनम-गुंटूर औद्योगिक क्षेत्र, गुडगांव-दिल्ली-मेरठ औद्योगिक क्षेत्र, कोल्लम-तिरुवनंतपुरम क्षेत्र।

भारत में लघु औद्योगिक क्षेत्र:

अंबाला-अमृतसर, सहारनपुर-मुजफ्फरनगर-बिजनौर, इंदौर-देवास-उज्जैन, जयपुर-अजमेर, उत्तरी मालाबार, मध्य मालाबार, आदिलाबाद-निजामाबाद, इलाहाबाद-वाराणसी-मिर्जापुर, भोजपुर-मुंगेर, कोरबा-बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई आदि।

Q.34) सिंधी, ओडिया और मैथिली, भारत में भाषाओं के किस परिवार से संबंधित हैं?

- ऑस्ट्रिक (निषाद)
- द्रविड़
- इंडो-यूरोपियन (आर्यन)
- चीनी-तिब्बती (किरात)

Q.34) Solution (c)

Basic Information:

प्रमुख भारतीय भाषाओं के बोलने वाले चार भाषा परिवारों से हैं:

भाषा परिवार	भाषाएँ
इंडो-यूरोपीय परिवार (आर्यन)	हिंदी, बंगाली, मराठी, उर्दू, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, राजस्थानी, सिंधी, मैथिली और ओडिया
द्रविड़ परिवार (द्रविड़),	कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम
ऑस्ट्रिक परिवार (निषाद)	कोल, मुंडारी, निकोबारी, खासी, संथाली, हो, बिरहोर
चीनी-तिब्बती परिवार (किरात)	नेपाली, बोडो, मणिपुरी

Q.35) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

- | शब्द | संबंध |
|----------------------------------|----------------|
| 1. फेज़ेंडा (Fazendas) : | काँफी भूमि |
| 2. कोल्खोज़ (Kolkhoz): | रबर वृक्षारोपण |
| 3. फ्रिगोरीफिकोस (Frigorificos): | बूचड़खाने |

उपरोक्त में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

- केवल 2
- केवल 1 और 3
- केवल 1 और 2
- 1, 2 और 3

Q.35) Solution (b)

Explanation:

- ब्राज़ील संसार का सबसे बड़ा काँफी निर्यातक है, और यह काकाओ के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक हुआ करता था। ब्राज़ील में काँफी कृषि भूमि को 'फ़ेज़ेंडा' कहा जाता है।
- रबर वृक्षारोपण अमेज़न के उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में किया जाता है। ब्राज़ील में **मानौस (Manaus)** ब्राज़ील का रबर संग्रह केंद्र है।
- रोसारियो और ब्यूनस आयर्स ने बूचड़खानों को अच्छी तरह से विकसित किया है जिन्हें 'फ्रिगोरीफिकोस (Frigorificos)' कहा जाता है।

- कोल्खोज, सोवियत संघ (रूस) में एक प्रकार की सामूहिक खेती थी।

Q.36) जल संचयन विधियों (water harvesting methods) के संबंध में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें

जल संचयन विधि	स्थान
1. फाड़ प्रणाली	महाराष्ट्र
2. अहार पाइन (Ahar Pynes)	बिहार
3. ज़ाबो (Zabo)	लद्दाख

उपरोक्त में से कौन सही ढंग से सुमेलित है?

- केवल 2
- केवल 1 और 2
- केवल 1 और 3
- 1, 2 और 3

Q.36) Solution (b)

Explanation:

भारत में पारंपरिक जल संचयन प्रणाली:

जल संचयन प्रणाली	क्षेत्र / राज्य
खुंद, झालरा, बावरी, खंडिन, बाओली	राजस्थान
पानम केनी	वायनाड
कुहल (Kuhls)	हिमाचल प्रदेश
जाबो या रूज़ा प्रणाली	नगालैंड
अहार पाइन	बिहार
जिंग	लद्दाख
फाड़ प्रणाली	महाराष्ट्र

Q.37) मानव भूगोल में निम्नलिखित में से कौन सा दृष्टिकोण नहीं है?

- स्थानिक संगठन (Spatial Organisation)
- क्षेत्रीय विभेद (Areal differentiation)
- अन्वेषण और विवरण
- सामाजिक-राजनीतिक दृष्टिकोण

Q.37) Solution (d)

Explanation:

दृष्टिकोण	व्यापक विशेषताएं
अन्वेषण और विवरण	साम्राज्यवादी और व्यापारिक हित ने नए क्षेत्रों की खोज और अन्वेषण को प्रेरित

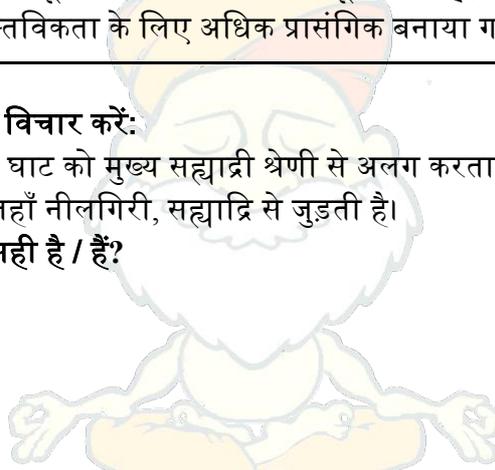
	किया। क्षेत्र के एक शब्दकोश का वर्णन भूगोलवेत्ता की जानकारी का एक महत्वपूर्ण पहलू बना।
क्षेत्रीय विश्लेषण	एक क्षेत्र के सभी पहलुओं का विस्तृत वर्णन किया गया। यह विचार था कि सभी क्षेत्र एक पूर्ण का हिस्सा थे, अर्थात् (पृथ्वी); इसलिए, समग्रता में भाग को समझने से संपूर्ण की समझ पैदा होगी।
क्षेत्रीय विभेद	यहां ध्यान किसी भी क्षेत्र की विशिष्टता की पहचान करने तथा यह समझने में था कि यह कैसे और क्यों दूसरों से अलग था।
स्थानिक संगठन	कंप्यूटर और परिष्कृत सांख्यिकीय उपकरणों के उपयोग द्वारा चिह्नित। भौतिकी के नियम अक्सर मानव घटना के मानचित्र और विश्लेषण के लिए लागू होते थे। इस चरण को मात्रात्मक क्रांति कहा जाता था। मुख्य उद्देश्य विभिन्न मानवीय गतिविधियों के लिए अनुपयोगी पैटर्न की पहचान करना था।
मानवतावादी, कट्टरपंथी और व्यवहारिक स्कूलों का उद्भव	1970 के दशक में मात्रात्मक क्रांति तथा भूगोल देखने के इसके अमानवीय तरीके से असंतोष से मानव भूगोल के बारे में विचारों के तीन नए स्कूलों का उदय हुआ। मानव भूगोल को विचार के इन स्कूलों के उद्भव द्वारा सामाजिक-राजनीतिक वास्तविकता के लिए अधिक प्रासंगिक बनाया गया था।

Q.38) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पालघाट दर्रा, पश्चिमी घाट को मुख्य सह्याद्री श्रेणी से अलग करता है
2. गुडालुर वह स्थान है जहाँ नीलगिरी, सह्याद्री से जुड़ती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2



Q.38) Solution (c)

Basic Information:

भारत के पश्चिमी घाट:

- पश्चिमी घाट या सह्याद्री उत्तर से दक्षिण की ओर डेक्कन पठार के पश्चिमी किनारे पर चलता है तथा पठार को अरब सागर के साथ एक संकीर्ण तटीय मैदान से पृथक करता है।
- यह सीमा गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा के पास, ताप्ती नदी के दक्षिण में शुरू होती है, और लगभग 1600 किमी महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल से होकर कन्याकुमारी में समाप्त होती है।
- पश्चिमी घाट को उत्तरी महाराष्ट्र में सह्याद्री, केरल में सह्या परवथम और तमिलनाडु में नीलगिरी मलाई के नाम से जाना जाता है। पश्चिमी घाट माथेरान, लोनावाला-खंडाला, महाबलेश्वर, पंचगनी, अंबोली घाट, कुद्रेमुख और कोडागु जैसे कई हिल स्टेशनों का घर है।
- पश्चिमी घाट का चरम उत्तरी भाग गुजरात के डांग जिले में पड़ता है, जिसे डांग (बांस) के जंगलों के लिए जाना जाता है।

- अनाईमुदी 2,695 मीटर है जो पश्चिमी घाट की सबसे ऊंची चोटी है। मुल्लयनगिरि कर्नाटक में 1,950 मीटर की सबसे ऊंची चोटी है। पश्चिमी घाट की छोटी श्रृंखलाओं में इलायची पहाड़ियाँ और नीलगिरी पहाड़ियाँ शामिल हैं। इलायची पहाड़ियाँ दक्षिण-पूर्व केरल और दक्षिण-पश्चिम तमिलनाडु में स्थित हैं।
- पश्चिमी घाट में जैसे तमिहनी घाट, पलक्कड़ दर्रा, नानेघाट, कासारा घाट आदि में कई महत्वपूर्ण दर्रे हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग को पालघाट दर्रे से मुख्य सहयाद्रि से पृथक किया गया है	नीलगिरी, गुडालुर के पास सहयाद्रि में शामिल हो जाती है। वे 2000 से अधिक ऊँची और 'पश्चिमी घाटों और पूर्वी घाटों के जंक्शन' के रूप में चिह्नित हैं

Q.39) भारत में प्रार्थना के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

- | प्रयाग | नदियों का संगम |
|------------------|--------------------------|
| 1. रुद्र प्रयाग | अलकनंदा और मंदाकिनी |
| 2. विष्णु प्रयाग | धौली गंगा और विष्णु गंगा |
| 3. कर्ण प्रयाग | अलकनंदा और पिंडर |
| 4. देव प्रयाग | अलकनंदा और भागीरथी |

उपरोक्त में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

- केवल 4
- केवल 1, 2 और 4
- केवल 1, 3 और 4
- 1, 2, 3 और 4



Q.39) Solution (d)

Explanation:

प्रयाग	नदियों का संगम
रुद्रप्रयाग	अलकनंदा और मंदाकिनी
देवप्रयाग	अलकनंदा और भागीरथी
विष्णु प्रयाग	धौली और विष्णु गंगा
कर्णप्रयाग	अलकनंदा और पिंडर

Q.40) निम्नलिखित में से कौन से/ सी वृक्षारोपण कृषि की विशेषता हैं?

- बहु फसली खेती
- श्रम गहन
- आधुनिक तकनीक को अपनाना

4. पूंजी गहन

सही विकल्प चुनें:

- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- केवल 2, 3 और 4
- 1, 2, 3 और 4

Q.40) Solution (c)

Explanation:

व्यावसायिक खेती का वह रूप, जहाँ लाभ के लिए फसलें उगाई जाती हैं, वृक्षारोपण कृषि कहलाती है

वृक्षारोपण कृषि की प्रमुख विशेषताएं:

- यह एक बड़े क्षेत्र पर प्रचलित एकल फसल खेती होती है।
- फसलें मुख्य रूप से बाजार के लिए उगाई जाती हैं।
- यह श्रम गहन और पूंजी गहन दोनों होती है।
- इसमें कृषि और उद्योग का एक इंटरफ़ेस होता है।
- बड़े पैमाने पर खेती के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाया जाता है।
- वृक्षारोपण प्रसंस्करण उद्योगों और बाजारों को जोड़ने वाले परिवहन और संचार के विकसित नेटवर्क वृक्षारोपण के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वृक्षारोपण फसलों के उदाहरण चाय, कॉफी, रबर, गन्ना और केला आदि हैं।

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.